सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-135
22/03/2018

बिहार दिवस को हमलोग सिर्फ एक दिवस के रूप में नहीं मनाते बल्कि इसके माध्यम से अपने संकल्प को प्रकट करते हैं :– मुख्यमंत्री

पटना, 22 मार्च 2018 :– 22 से 24 मार्च तक गाँधी मैदान में चलने वाले बिहार दिवस समारोह का उप राष्ट्रपति श्री एम0 वैंकेया नायडू, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। बिहार दिवस समारोह को लेकर महात्मा गाँधी के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष 2017 की थीम पर बने मुख्य मंच पर उप राष्ट्रपति सहित विशिष्ट अतिथियों के पहुंचने पर सबसे पहले सेना के बैंड पर राष्ट्रगान की धुन बजाई गयी। इसके बाद अतिथियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर हरा, सफेद और केसरिया रंग में रंगे गुब्बारे भी उड़ाए गये। इस बार बिहार दिवस समारोह के साथ ही महात्मा गाँधी के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष का समापन समारोह भी मनाया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने उप राष्ट्रपति श्री एम0 वैंकेया नायडू, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को पुष्प–गुच्छ, अंगवस्त्र (मधुबनी पेंटिंग) एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर (जिसमे गाँधी जी की मूर्ति है) स्वागत किया। आगत अतिथियों के समक्ष महात्मा गाँधी के चंपारण सत्याग्रह पर आधारित वृत्तचित्र भी प्रदर्शित की गयी। वृत्त चित्र में बापू के गाँधी से महात्मा बनने के सफर के साथ ही महात्मा गाँधी के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के दौरान बिहार सरकार द्वारा चलाये गये बापू के विचारों एवं संदेशों से संबंधित कथावाचन, राष्ट्रीय विमर्श, बापू आपके द्वार, गाँधी रथ, अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह, गाँधी स्मृति यात्रा, विरासत यात्रा जैसे अन्य कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने कथावाचन से संबंधित 4 पुस्तिका का विमोचन भी किया गया, जिसमे गाँधी जी के विचारों एवं संदेशों को संकलित किया गया है।

बिहार दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि आज बिहार दिवस के अवसर पर आप सबको शुभकामना देता हूँ। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने बिहार दिवस समारोह मनाने का आरम्भ वर्ष 2010 से किया और साल 2012 में शताब्दी वर्ष का आयोजन बड़े ही भव्य और धूमधाम तरीके से किया, तब से न सिर्फ पटना में बल्कि पूरे बिहार के सभी स्कूलों एवं गाँवों में भी बड़े ही शान से बिहार दिवस को मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बाहर रहने वाले विभिन्न प्रांतों में बिहारवासी भी बिहार दिवस को मनाते हैं और अब तो देश के बाहर विदेशों में रहने वाले बिहारवासी भी इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के स्कॉटलैंड में पटना नाम का एक जगह है, जिसे वहां रहने वाले बिहारवासी उस स्थान को राजधानी पटना के साथ जोड़ा है और वहां भी बड़े ही भव्य तरीके से भारत के उच्चायुक्त की उपस्थिति में बिहार दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर 1911 में बंगाल से अलग होने की घोषणा की गयी, जिसकी अधिसूचना 22 मार्च 2012 को जारी हुई इसलिए 22 मार्च का चयन बिहार दिवस के रूप में मनाने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि बहुत ही उत्साह और आनंद के साथ बिहार दिवस का आयोजन किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महत्मा गाँधी के चंपारण सत्याग्रह के 100 साल पूरा होने के उपरान्त शताब्दी वर्ष के अवसर पर 10 अप्रैल 2017 से ही लगातार कार्यक्रम का आयोजन कर गाँधी जी के विचारों और संदेशों को घर–घर तक पहुँचाने का काम किया गया। गॉधी जी के विचारों पर आधारित वृतचित्र भी दिखाया गया। उन्होंने कहा कि पं0 राजकुमार शुक्ल के प्रयास से 10 अप्रैल 1917 को महत्मा गाँधी यहाँ पधारे थे, जिसके बाद वे मुजफ्फरपुर गए। 10 अप्रैल को दो दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया। 11 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में भी भव्य कार्यक्रम किया गया। 12 अप्रैल को गाँधी रथ रवाना किया गया, जिसके माध्यम से गाँधी जी के विचारों एवं संदेशों को जन–जन तक पहुँचाया गया। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के कारण सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं स्वतंत्रता आन्दोलन को काफी बल मिला, जिसके 30 साल बाद ही देश आजाद हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के साथ ही देशभर के स्वतंत्रता सेनानियों को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया गया। उस कार्यक्रम में तत्कालीन राष्ट्रपति एवं बिहार के राज्यपाल जो वर्तमान में राष्ट्रपति में हैं, शामिल हुए थे। 10 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम के माध्यम से सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन का उद्घाटन किया गया। 2 अक्टूबर 2017 को बापू के जन्म दिवस के मौके पर बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान की शुरुआत करने को लेकर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र प्रांगण में स्थित बापू सभागार का उदघाटन किया गया। उन्होंने कहा कि गाँधी जी के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के मौके पर कार्यक्रमों को इस रूप में तैयार किया गया कि बापू के विचारों एवं संदेशों को हर व्यक्ति और हर घर तक पहुंचाया जा सके।

कथावाचन पुस्तक का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके माध्यम से छात्र–छात्राओं तक गाँधी जी के विचारों एवं संदेशों को पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कथावाचन पुस्तक में गाँधी जी के विचारों एवं संदेशों को संकलित करने में सहयोग प्रदान करने वाले लेखकगण एवं विद्वतगण को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही घर–घर तक दस्तक देकर गाँधी जी के विचारों और संदेशों से लोगों को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गाँधी शराब के खिलाफ थे और वर्ष 2016 में पूरे बिहार में शराबबंदी लागू की गयी जो बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी 2017 को 4 करोड़ लोगों ने शराबबंदी के समर्थन में एक दूसरे का हाथ पकड़कर मानव श्रृंखला में खड़े होकर अपने संकल्प का प्रकटीकरण किया। 21 जनवरी 2018 को बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ 14 हजार किलोमीटर लम्बी बनी मानव श्रृंखला के माध्यम से लोगों ने इन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी भावना का प्रकटीकरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के मौके पर बिहार में गाँधी सर्किट का निर्माण तो किया ही जाएगा, इसके साथ ही चम्पारण सत्याग्रह की स्मृति को जागृत रखने के लिए पटना में बापू टावर का भी निर्माण होगा, जो अपने आप में विलक्षण और अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा कि पटना का गाँधी मैदान पहले लॉन कहलाता था, इस स्थल पर गाँधी जी ने कई कार्यक्रम भी किये थे। अब इस जगह पर देश की सबसे ऊँची गाँधी प्रतिमा है। उन्होंने कहा कि बिहार म्यूजियम जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है, उसकी चर्चा दुनिया भर में है, ठीक उसी तरह से बापू टावर भी बनायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे काफी खुशी है कि इस अवसर पर उप राष्ट्रपति जी को आमंत्रित किया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया, इसके लिए मैं उनको ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ और अभिनन्दन करता हूँ। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार दिवस के मौके पर बापू के चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष का समापन समारोह भी है। बिहार का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है लेकिन वर्ष 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तो बिहार में मायूसी थी और झारखंड में खुशी थी क्योंकि खान–खदान सभी झारखंड के हिस्से में था। उन्होंने कहा कि उस समय ज्यादातार आइ0ए0एस0 और आई0पी0एस0 बिहार कैडर में नहीं

रहना चाहते थे, वे झारखंड जाना चाहते थे लेकिन अब उन्हें अफसोस हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोधगया, राजा विशालगढ़, आर्कियोलॉजी साइट, वैशाली, तेल्हाड़ा, राजगीर, नालंदा, पावापुरी सभी तो इसी बिहार में है। यह भूमि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की जन्मभूमि है, जिसके उपलक्ष्य में 350वें प्रकाश पर्व और शुकराना समारोह का भव्य आयोजन किया गया। उस कार्यक्रम में सिख समाज के लोग पूरे देश से और देश के बाहर से भी शिरकत किये थे, जिसके बाद बिहार के प्रति सिख समाज के मन में बिहार के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव जगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार की छवि बाहर में कुछ और थी लेकिन जब इस कार्यक्रम में लोग शरीक हुए तो उनकी सोच और मानसिकता में बदलाव आया। उन्होंने कहा कि जो हमारा गौरवशाली अतीत है, उस गौरव के स्थान को हमें हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर 2005 में जब हमने बिहार की बागडोर सम्भाली उस समय बिहार का बजट 26,300 करोड़ था, जो अब बढ़कर इस साल 1 लाख 80 हजार करोड़ तक पहुँच गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005–06 में जहाँ योजना एवं विकास मद में 6,000 करोड़ रुपये खर्च होता था, उसे बढ़ाकर 87,000 तक पहुँचाने में हम कामयाब हुये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार दिवस को हमलोग सिर्फ एक दिवस के रूप में नहीं मनाते बल्कि इसके माध्यम से अपने संकल्प को प्रकट करते हैं। सवालिया लहजे में उन्होंने कहा कि क्या हालत थी पहले गरीबों की ? हमलोगों ने न्याय के साथ विकास की प्रतिबद्धता पर काम करते हुए हर तबके और हर इलाके का विकास किया। हमने दलित, महादलित, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, स्त्री–पुरुष सबका ख्याल रखा, सबको अधिकार सम्पन्न बनाया, किसी की उपेक्षा नहीं की। उन्होंने कहा कि हमने पंचायत और नगर निकाय के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया, जिसके बाद 3 चुनाव भी हो गए, इसके साथ ही पुलिस बहाली के साथ ही अन्य सभी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि 2001 में जो चुनाव हुआ, उसमें अनुसूचित जाति, जनजाति को आरक्षण नहीं था और बहुत लोग आरक्षण का राग अलापते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में हमे जब बिहार की जिम्मेवारी लोगों ने सौंपी, तब 12.5 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर थे। उसके बाद नये स्कूल खोले गये पुराने विद्यालयों को और भी बेहतर किया गया जिसका नतीजा है कि अब 1 प्रतिशत से भी कम बच्चे न के बराबर स्कूलों से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी 2006 में हमने अस्पतालों का सर्वेक्षण कराया जिसमे पाया गया कि प्रखंड स्तर पर प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में औसतन 39 मरीज एक दिन में इलाज कराने पहुँचते थे लेकिन उसके बाद अस्पतालों की स्थिति सुदृढ़ की गयी, मुफ्त दवाओं का प्रबंध किया गया, जिसका परिणाम है कि अब एक माह में औसतन 10,000 से भी ज्यादा लोग प्राथमिक स्वास्थ्य पर इलाज के लिये जाते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि अब ज्यादा लोग बीमार पड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि अब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों के प्रति बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बच्चों का टीकाकरण पहले 18.6 था जो अब बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2005 में प्रति हजार शिशु मृत्यु दर 61 था, जो अब घटकर 38 हो गया। मातृ मृत्यु दर वर्ष 2005 में प्रति लाख 312 था जो अब घटकर 308 हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजनन दर बिहार का 3.9 था और पाया गया कि मैट्रिक पास करने वाली लड़कियों की शादी होने पर पर प्रजनन दर 2 प्रतिशत है। इसको देखते हुए हमने 12वीं कक्षा तक लड़कियों के पढ़ने की व्यवस्था की। सात निश्चय के तहत हर घर नल का जल, हर घर बिजली के साथ ही अन्य बुनियादी सुविधाएं लोगों तक पहुँचाने के लिए काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पाँच नये मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है, इसके साथ ही हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, पोलीटेक्निक कॉलेज, पारा मेडिकल संस्थान, जी0एन0एम0 संस्थान, महिला आई0टी0आई0 और हर सबडिविजन में आई0टी0आई0 और ए0एन0एम0 स्कूल खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के किसी भी सुदूरवर्ती इलाके से पटना पहुँचने के लिए 6 घंटे का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे

करीब हासिल कर लेनें के बाद अब उसे घटाकर 5 घंटा किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों को भी दुरुस्त किया जा रहा है और गावों के साथ ही टोलों को भी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में बिहार में जहाँ 700 मेगावाट बिजली की आपूर्ति होती थी, अब वह बढ़कर 4535 मेगावाट हो गयी है। समाज कल्याण के क्षेत्र में भी काफी काम किया गया है। केंद्र सरकार 29 लाख लोगों को पेंशन मुहैया कराती है, जबकि यहाँ 44 से 45 लाख पेंशनधारी लोग हैं, जिन्हें राज्य सरकार अपने खजाने से पैसा मुहैया कराती है। डेढ़ लाख से कम आमदनी वाले समाज के हर वर्ग से आने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृति का लाभ दिया जा रहा है। अभी तक 2.5 करोड़ से अधिक को छात्रवृति का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना और तालिमी मरकज के तहत अल्पसंख्यक समाज के छात्रों के छात्रवृति की भी व्यवस्था की गयी है। अल्पसंख्यक समाज के परित्यक्त महिलाओं को दिए जाने वाले सहयोग राशि को 10,000 से बढ़ाकर 25000 रुपये किया गया है। अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना जो पहले साल भर के लिए 25 करोड़ का हुआ करता था, उसकी राशि बढ़ाकर 100 करोड़ कर दी गयी है। अल्पसंख्यक वित्त निगम की राशि 40 करोड़ से बढ़ाकर 80 करोड़ कर दी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैट्रिक में फर्स्ट डिविजन से पास करनेवाले बच्चों को 10,000 हजार रूपये का प्रोत्साहन राशि मुहैया कराई जाती है उसी तर्ज पर मदरसा बोर्ड के माध्यम से फोकानिया की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उतीर्ण करने वाले छात्र–छात्राओं को 10,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि तथा मौलवी की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उर्तीण करने वाली छात्राओं को 10,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि देने का फैसला लिया गया है।

चैत्र नवरात्री की शुभकामना देते हुए मुख्यमंत्री ने लोगों से रामनवमी के मौके पर शांति एवं सद्भाव का माहौल कायम रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि बहुत लोग उत्तेजना फैलाने, भड़काने की कोशिश करेंगे लेकिन आप किसी के बहकावे में नहीं आइयेगा। पिछले 12 वर्षों से जिस तरह से बिहार में शान्ति, प्रेम और सद्भाव का माहौल कायम है, उसे हर हाल में बरकरार रखियेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की बागडोर संभालने के बाद 12 वर्षों में बिहार में छोटे–मोटे झगड़े हुए लेकिन कोई भी साम्प्रदायिक दंगा में कन्वर्ट नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस बार मोहर्रम और दशहरा एक साथ हुआ और बहुत ही शांति और उल्लास के साथ लोगों ने इसे सेलिब्रेट किया। प्रेम और सद्भाव के माहौल को हर हाल में बनाये रखियेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी कहा करते थे यह धरती जरूरत को पूरा करने में सक्षम है, लालच को नहीं। पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ नहीं होना चाहिए नहीं तो हम विनष्ट होते चले जायेंगे। गाँधी जी के द्वारा कहे गये सात सामाजिक पाप कर्म से बचने की सलाह को मुख्यमंत्री ने दोहराया। उन्होंने कहा कि गाँधी जी ने जो सात पाप कर्म बताई थी, उसमें सिद्धांत के बिना राजनीति का मतलब नहीं, काम के बिना धनार्जन, विवेक रहित सुख, चरित्र के बिना ज्ञान का कोई मतलब नहीं, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान, त्याग के बिना पूजा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर 10 से 15 प्रतिशत युवा पीढ़ी गाँधी जी के विचारों को अपना ले सूबा, देश और समाज में बहुत बड़ा परिवर्तन आयेगा।

समारोह को उप राष्ट्रपति श्री एम0 वैंकेया नायडू, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन वर्मा ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद के कार्यकारी सभापति श्री हारुण रशीद, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री के0एस0 दिवेदी, प्रधान सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य मंत्रीगण, सांसदगण, जन प्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******